Signature of Invigilators

1. .....

2. .....

HINDI
Paper III

Roll No. | | | | | |

(In figures as in Admit Card)

Roll No. .....

.....

(In words)

JY—04/5

Name of the Areas/Section (if any).....

Time Allowed : $2\frac{1}{2}$ Hours]

[Maximum Marks : 200

Instructions for the Candidates

1. Write your Roll Number in the space provided on the top of this page.
2. Write name of your Elective/Section if any.
3. Answer to short answer/essay type questions are to be written in the space provided below each question or after the questions in test booklet itself. No additional sheets are to be used.
4. Read instructions given inside carefully.
5. Last page is attached at the end of the test booklet for rough work.
6. If you write your name or put any special mark on any part of the test booklet which may disclose in any way your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. Use of calculator or any other Electronics Devices are prohibited.
8. There is no negative marking.
9. You should return the test booklet to the invigilator at the end of the examination and should not carry any paper outside the examination hall.

પરીક્ષાર્થીઓ માટે સૂચનાઓ :

૧. આ પૃષ્ઠના ઉપલા ભાગે આપેલી જગ્યામાં તમારી ક્રમાંક સંખ્યા (રોલ નંબર) લખો.

૨. તમે જે વિકલ્પનો ઉત્તર આપો તેનો સ્પષ્ટ નિર્દેશ કરો.

૩. ટૂંક નોંધ કે નિબંધ પ્રકારના પ્રશ્નોના ઉત્તર દરેક પ્રશ્નની નીચે આપેલી જગ્યામાં જ લખો. વધારાના કોઈ કાગળનો ઉપયોગ કરશો નહીં.

૪ અંદર આપેલી સૂચનાઓ ધ્યાનથી વાંચો.

૫. આ ઉત્તરપોથીને અંતે આપેલું પૃષ્ઠ કાચા કામ માટે છે.

૬. આ ઉત્તરપોથીમાં ક્યાંય પણ તમારી ઓળખ કરાવી દે એવી રીતે તમારું નામ કે કોઈ ચોકકસ નિશાની કરી હશે તો તમે આ પરીક્ષા માટે ગેરલાયક સાબીત થશો.

૭. કેલકયુલેટર અથવા ઈલેકટ્રોનિકસ સાધનો જેવાનો ઉપયોગ કરવો નહીં.

૮. નકારાત્મક ગુણાંક પદ્ધતિ નથી.

૯. પ્રશ્નપત્ર લખાઈ રહે એટલે આ ઉત્તરપોથી તમારા નિરીક્ષકને આપી દેવી. પરીક્ષાખંડની બહાર કોઈ પણ પ્રશ્નપત્ર લઈ જવું નહીં.

FOR OFFICE USE ONLY
Marks Obtained

Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					
6.					
7.					
8.					
9.					
10.					
11.					
12.					
13.					
14.					

Total Marks Obtained.....

Signature of the co-ordinator.....

(Evaluation)

SEAL

HINDI

हिन्दी

Paper-III

प्रश्न-पत्र III

नोट :— इस प्रश्न-पत्र में **दो** खण्ड ('अ' एवं 'ब') हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

खण्ड 'अ'

नोट :— इस खण्ड में **दस** लघु निबंधात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **16** अंक हैं जिनके उत्तर लगभग **तीन सौ** शब्दों में दीजिए ।

1. तुलसीदास के काव्य में निहित लोकमंगल की भावना को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

2. "भूषण की कविता अपने युग का प्रत्यक्ष प्रतिबिंबन है ।" स्पष्ट कीजिए ।

3. जयशंकर प्रसाद की सौन्दर्य-चेतना की व्याख्या कीजिए ।

4. समकालीन कविता की काव्य-दृष्टि को सोदाहरण समझाइए ।

5. 'गोदान' उपन्यास के आधार पर होरी की चरित्रगत विशेषेताएँ बताइए ।

6. प्रयोगधर्मिता और नाट्यभाषा की दृष्टि से 'अंधा युग' की विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

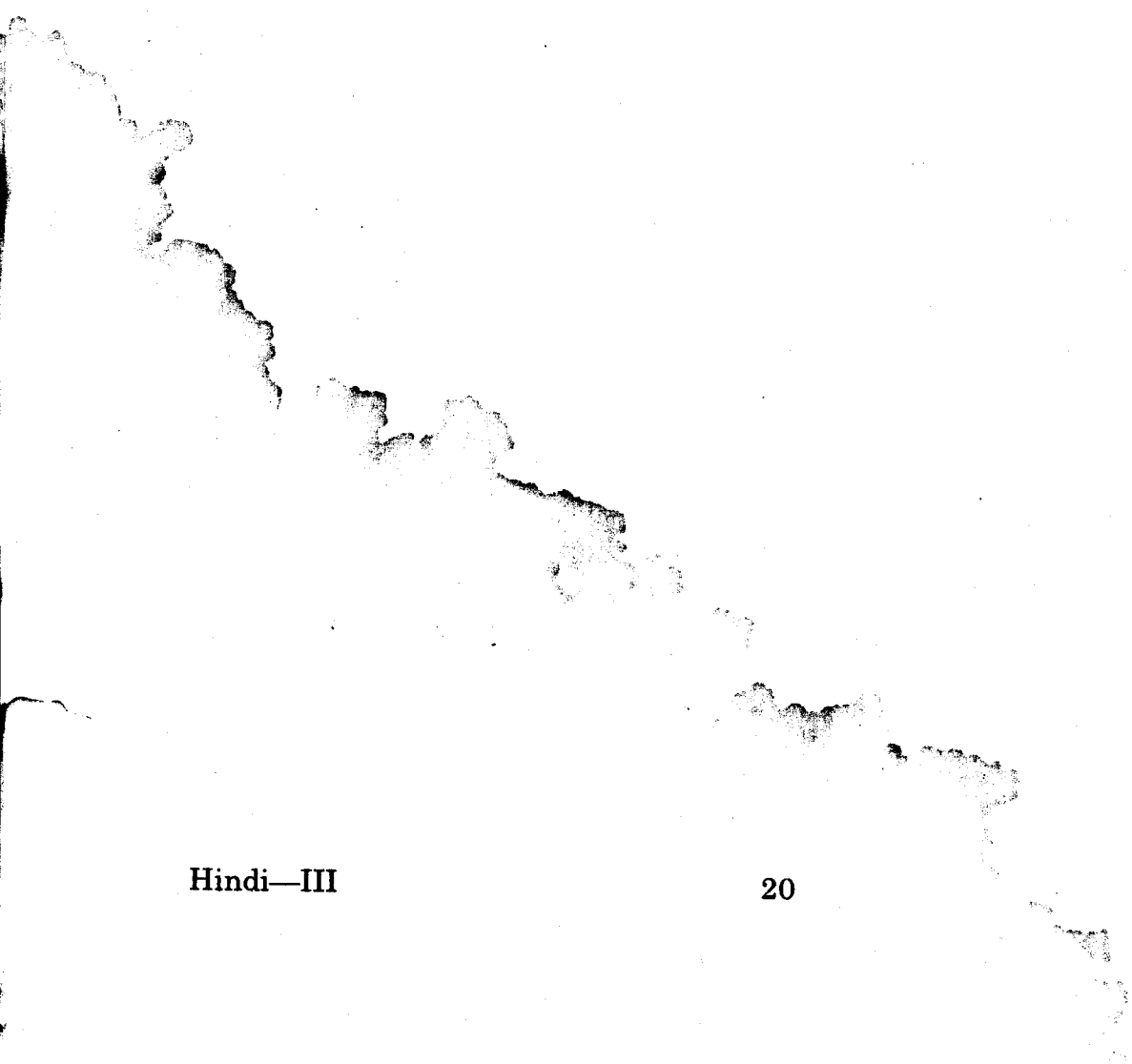

7. मार्क्सवादी समीक्षा में रामविलास शर्मा का स्थान निर्धारित कीजिए ।

8. अरस्तू के विरेचन सिद्धान्त का स्वरूप स्पष्ट करते हुए त्रासदी के संदर्भ में उसके महत्व को रेखांकित कीजिए ।

9. निम्नलिखित काव्य-अवतरण की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

माया भगति सुनहु तुम्ह दोऊ । नारि वर्ग जानै सब कोऊ ॥
पुनि रघुबीरहि भगति पियारी । माया खलु नर्तकी बिचारी ॥
भगतिहि सानुकूल रघुराया । ताते तेहि डरपति अति माया ॥
राम भगति निरुपम निरुपाधी । बसै जासु उर सदा अबाधी ॥

10. निम्नलिखित गद्य-अवतरण की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

मुझमें और आप में अन्तर इतना ही है कि मैं जो कुछ मानता हूँ उस पर चलता हूँ । आप लोग मानते कुछ हैं । करते कुछ हैं । धन को आप किसी अन्याय से बराबर फैला सकते हैं । लेकिन बुद्धि को चरित्र को और रूप को, प्रतिभा को और बल को बराबर फैलाना तो आपकी शक्ति के बाहर है । छोटे बड़े का भेद केवल धन से ही तो नहीं होता । मैंने बड़े-बड़े धन कुबेरों को भिक्षुकों के सामने घुटने टेकते देखा है और आपने भी देखा होगा ।

खण्ड 'ब'

नोट :— इस खण्ड में से केवल **एक** प्रश्न का उत्तर अपेक्षित है जो **आठ सौ** शब्दों में होना चाहिये । प्रत्येक प्रश्न **40** अंक का है ।

अनुभाग 'क'

(भक्ति-काव्य)

11. ''सूरदास शृंगार का कोना-कोना झाँक आए हैं ।'' उक्त कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिये ।

अथवा

अनुभाग 'ख'

(छायावाद)

12. पंत की काव्य-यात्रा के विकास-क्रम को स्पष्ट करते हुए उनके प्रकृति चित्रण की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए ।

अथवा

अनुभाग 'ग'

(कथा-साहित्य)

13. ''प्रेमचन्दोत्तर कहानी बाहर से अन्दर की ओर मुड़ी है ।''

उक्त कथन के आलोक में प्रेमचन्दोत्तर कहानी की कथ्य एवं शिल्पगत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिये ।

अथवा

अनुभाग 'घ'

(काव्यशास्त्र और आलोचना)

14. टी. एस. इलिएट के समीक्षा-सिद्धान्त की विवेचना कीजिये ।